है ये पावन शरिडी यहाँ बार-बार आना
है ये पावन शरिडी यहाँ बार-बार आना
साँईनाथ के चरणों में आकर के झुकजाना
है ये पावन शरिडी यहाँ बार-बार आना

तेरा मुख्ड़ा सुन्दर है तू जान से प्यारा है 2
मैं आँखें जब खोलूँ मुझे तुम ही नज़र आना
है य पावन शरिडी यहाँ बार-बार आना

तू जग का स्वामी है तू अन्तर्यामी है2
मेरी वनिती सुनलेना साँई दया तू बरसाना
है य पावन शरिडी यहाँ बार-बार आना

तू ही मेरी कस्मित है मुझे तेरी ज़रूरत है 2
साँई मेरी भक्ति का कुछ मोल तो दे जाना
है य पावन शरिडी यहाँ बार-बार आना

इतनी मेरी अरज़ी है साँई इसको न ठुकराना
जब द्वार तेरे आऊँ साँई दर्शन दखिलाना
है य पावन शरिडी यहाँ बार-बार आना